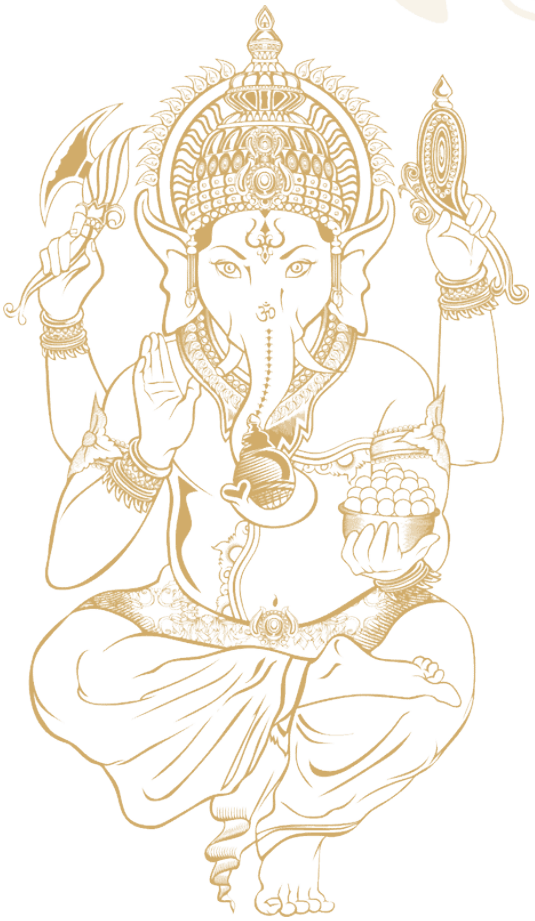

Shivam

28 Feb 1994

05:35 PM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120964308

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/02/1994**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**17:35:00 घंटे**
इष्ट	27:32:19 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	80:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:26:16 घंटे
वेलान्तर	-00:12:38 घंटे
साम्पातिक काल	03:58:35 घंटे
सूर्योदय	06:34:04 घंटे
सूर्यास्त	18:08:58 घंटे
दिनमान	11:34:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	15:53:31 कुम्भ
लग्न के अंश	09:10:18 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	गण्ड
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ण--
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	09:10:18	318:13:38	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
सूर्य			कुंभ	15:53:31	01:00:14	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	19:51:08	14:50:31	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	00:45:00	00:47:10	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
बुध	व		कुंभ	00:07:15	00:32:50	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
गुरु			तुला	20:52:35	00:00:01	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	26:07:29	01:14:52	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	मित्र राशि
शनि		अ	कुंभ	09:53:15	00:07:16	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	03:14:55	00:06:51	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	03:14:55	00:06:51	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	सम राशि
हर्ष			मक	01:03:22	00:02:46	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
नेप			धनु	28:44:22	00:01:41	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	04:17:35	00:00:02	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			वृष	07:58:28	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:47

लग्न-चलित

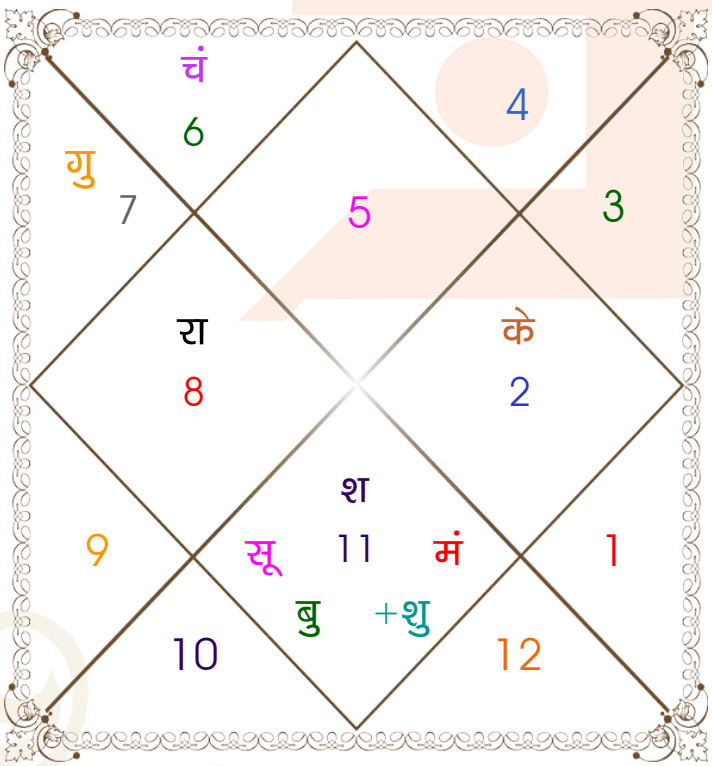

चन्द्र कुंडली

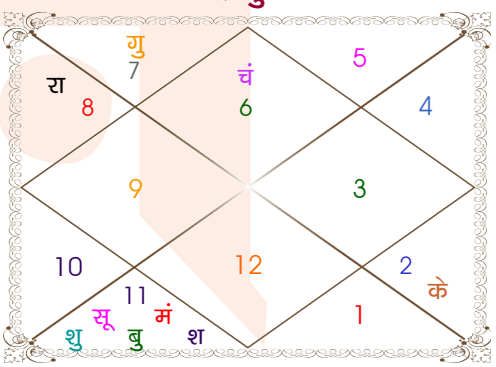

नवमांश कुंडली

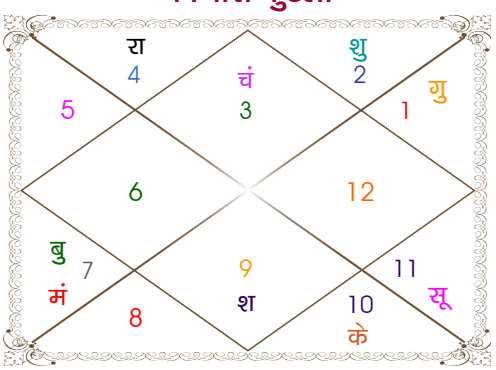

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 7 मास 10 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
28/02/1994		09/10/1996		10/10/2003		09/10/2021		09/10/2037	
09/10/1996		10/10/2003		09/10/2021		09/10/2037		09/10/2056	
	00/00/0000	मंगल	07/03/1997	राहु	22/06/2006	गुरु	27/11/2023	शनि	12/10/2040
	00/00/0000	राहु	26/03/1998	गुरु	14/11/2008	शनि	10/06/2026	बुध	22/06/2043
	00/00/0000	गुरु	01/03/1999	शनि	21/09/2011	बुध	15/09/2028	केतु	31/07/2044
	00/00/0000	शनि	09/04/2000	बुध	10/04/2014	केतु	21/08/2029	शुक्र	30/09/2047
	00/00/0000	बुध	06/04/2001	केतु	28/04/2015	शुक्र	21/04/2032	सूर्य	11/09/2048
	28/02/1994	केतु	03/09/2001	शुक्र	28/04/2018	सूर्य	08/02/2033	चंद्र	13/04/2050
केतु	09/08/1994	शुक्र	03/11/2002	सूर्य	23/03/2019	चंद्र	10/06/2034	मंगल	23/05/2051
शुक्र	09/04/1996	सूर्य	11/03/2003	चंद्र	21/09/2020	मंगल	17/05/2035	राहु	29/03/2054
सूर्य	09/10/1996	चंद्र	10/10/2003	मंगल	09/10/2021	राहु	09/10/2037	गुरु	09/10/2056

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
09/10/2056		09/10/2073		09/10/2080		10/10/2100		10/10/2106	
09/10/2073		09/10/2080		10/10/2100		10/10/2106		00/00/0000	
बुध	08/03/2059	केतु	07/03/2074	शुक्र	08/02/2084	सूर्य	27/01/2101	चंद्र	11/08/2107
केतु	04/03/2060	शुक्र	07/05/2075	सूर्य	08/02/2085	चंद्र	29/07/2101	मंगल	11/03/2108
शुक्र	03/01/2063	सूर्य	12/09/2075	चंद्र	09/10/2086	मंगल	04/12/2101	राहु	10/09/2109
सूर्य	09/11/2063	चंद्र	12/04/2076	मंगल	09/12/2087	राहु	29/10/2102	गुरु	10/01/2111
चंद्र	09/04/2065	मंगल	08/09/2076	राहु	09/12/2090	गुरु	17/08/2103	शनि	10/08/2112
मंगल	07/04/2066	राहु	27/09/2077	गुरु	09/08/2093	शनि	29/07/2104	बुध	09/01/2114
राहु	24/10/2068	गुरु	03/09/2078	शनि	09/10/2096	बुध	04/06/2105	केतु	01/03/2114
गुरु	30/01/2071	शनि	13/10/2079	बुध	10/08/2099	केतु	10/10/2105		00/00/0000
शनि	09/10/2073	बुध	09/10/2080	केतु	10/10/2100	शुक्र	10/10/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 7 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्या संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली पुरुषों में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी पुरुष हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपकी अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होगें।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगे। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करते।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगे परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगे। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगे।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित व्यक्ति हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करते हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाले हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहते हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभव है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपने मित्रों के मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगे। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझे जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहते हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।